

Written by कुमार सौवीर
Friday, 22 December 2017 02:40

: 000000 00000 00000000 0000 00 00000000000 000000000 000000000 000000 00000
0000000000 : 0000000000000000 00 00000 0000, 000000 00 00000 0000 00 0000000000000000 :
0000000000 00 00000 00000000 0000 0000 0000 0000000 00000 0000000 00000 : 0000000 0000000
00 0000000000000000000000 0000000 00 00000000000 00 000000 0000 000000 000000000000 :

000000 000000



000000000000 : जो साक्षात् मृत्युंजय है, उसे मौत से क्या डर? किसी ऐसे-वैसे यमदूत के वश की बात नहीं होती है कि वह किसी मृत्युंजय के अपने पास जबरन ले जा पाये। मृत्यु तो उसकी बांदी है, उसे अपने बंधनों में बांधकर साथ नहीं ले जा सकती। तब तक नहीं, जब तक साक्षात् परमात्मा उसे अपने पास बुलाने का आग्रह न कर ले। उसे साथ ले चलने के लिए सीधे परमेश्वर की इजाजत की जरूरत होती है, यमराज की नहीं।

00000000 000000000000 - 0000 0000 00 0000000000 00 00000000000 00000 00 000000 00000 000000000000
00000 0000000 0000000 00 0000000 00 0000 0000000 00000000 00000 00 0000000 0000000 :-

000000 00000 0000000000

जी हां, वरिष्ठ पत्रकार शशांकशेखर त्रिपाठी ने अब मौत को भी हरा दिया है। साक्षात् मृत्युंजय बन चुके हैं वह। वह मृत्युंजय जसिने मृत्यु को पराजित कर दिया। गाजियाबाद के अस्पताल यशोदा हॉस्पिटल में भरती शेखर त्रिपाठी अब खतरे से बाहर निकल चुके हैं। हालांकि वे अभी भी गहरी बेहोशी में हैं। लेकिन उन पर सारे संकट समाप्त हो चुके हैं। ऐसा उनकी नगिरानी करने वाले डॉक्टर बताते हैं। आपको बता दें कि करीब 10 कसपताह पूर्व शशांकशेखर त्रिपाठी अपने बाथरूम में गिर पड़े थे। परिजनों उन्हें ले कर तत्काल गाजियाबाद के नर्सिंग होम पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत बेहद गंभीर बताया। घटना के बाद गाजियाबाद के कैशाम् बी स्थिति यशोदा अस्पताल पहुंचे दैनिक ट्रिब्यून समाचार पत्र नेशनल ब्यूरो हेड डॉक्टर उपेंद्र पांडे ने प्रमुख

Written by कुमार सौवीर
Friday, 22 December 2017 02:40

न्यूज़ पोर्टल मेरी बटिया डॉट कॉम के संवाददाता को बताया कि शेखर त्रिपाठी की हालत बेहद नाजुक है। उन्हें सेप्टीसीमिया का खतरा बढ़ता जा रहा है। डॉक्टरों ने उनकी छोटी आंत का तीन चौथाई हिस्सा काट कर फेंक दिया और लेकिन इसके बावजूद शेखर त्रिपाठी के स्वास्थ्य में कोई भी सुधार नहीं हो रहा था। डॉक्टरों ने उन्हें बताया था उनके कके बाद कसारे अंगो ने काम करना बंद शुरू कर दिया था। डॉक्टरों के अनुसार यह कबेहद नाजुक हालत थी। इसी को देखते हुए डॉक्टरों ने शेखर त्रिपाठी डायलिसिस ले ली थी।

0000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 00000000 00000 00 000000 000000 :-

00000000

बीती शाम अचानक शेखर त्रिपाठी स्वास्थ्य में डॉक्टरों ने कचमत्करकि बदलाव देखा। उन्हें होने पाया कि शेखर त्रिपाठी का पेशाब सामान्य तौर से रलीज हुआ। यह कसुखद और आशाजनक संकेत बताया जाता है। आज देर शाम डॉक्टरों ने बेहद प्रसन्नता के साथ लोगों को बताया कि शेखर त्रिपाठी की हालत में करीब 80 फीसदी तक सुधार दर्ज हो रहा है। उपेंद्र पांडे का कहना है कि पेशाब होना सेप्टीसीमिया के खात् में की तेज प्रक्रिया का प्रतीक है।

0000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 00000000 00000 00 000000 000000 :-

00000000

आपको बता दें कि आज से करीब 20 साल पहले दैनिक जागरण के संपादक नरेंद्र मोहन की हालत भी कुछ इसी तरह बेहद नाजुक हो गई थी। ऐसे में उन्हें दिल्ली के मूस में भरती कराया गया था। डॉक्टर के अनुसार नरेंद्र मोहन को भी सेप्टीसीमिया विकसित हो गया था। लेकिन मोहन को डॉक्टरों के तमाम केशिशों के बावजूद नहीं बचाया जा सका।

0000000000 00 000 0000000 000 00 000000, 00 0000 00 0000 000 0000 0000000000

Written by कुमार सौवीर

Friday, 22 December 2017 02:40

लेकिन अब यह दूसरा मौक़ है जब दैनिक जागरण क कवरिष्ठ पदस् थ सहयोगी और जागरण डॉट कॉम के संपादक शशांक शेखर त्रिपाठी के भी सेप्टीसीमिया क संक्रमण हुआ लेकिन बेहद आश्चर्यजनक तरीके से शीघ्र ही त्रिपाठी ने साबित कर दिया क वह साक्षात मृत्युंजय हैं जसिे समय से पूर्व कोई नहीं हरा सकता मृत्यु नहीं मृत्यु नहीं हरा सकती

000000 00 000000 000000 00 000000 00 000 0000000 00000 00 000000 000000 :-

[000000](#)